

पुरुलनामानि ॥ प्रगवाह १ प्रगसखा २ प्रगय ३ प्रगरमिय ४ प्रगहली ५
 धानै ॥ ॥ ~~अथपुरुलविधिः~~ ॥ विदलमन ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा
 अस्थरावयला ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा ॥ नदगावकु ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा
 दहायथाविधि ॥ विदलमन ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा ॥ अस्थरावयला ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा
 मंलाहयवर्धन ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा ॥ नदगावकु ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा
 निहूनकै ॥ ॥ ~~हमाप्रोर्णिमम~~ ॥ कुर्यादरुमयप्रत ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा
 छिदि ॥ पाला ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा ॥ नदगावकु ॥ श्रीनीलरदाहः प्रकीर्तिगशा ॥

नल्लमरुपा ॥ दद्याच्चि नस्य नीत्यर्द्ध ॥ श्री वायं च दलो वरु ॥ वाक्का
ह्येकगर्गन्दद्या ॥ दद्याच्चि वीगुली सूच ॥ उवसि विंनर्गन्दद्या ॥
विंनर्गि ॥ ३० ॥ आदर्भ ॥ दद्याच्चि वषणया ॥ नद्यार्द्ध निष्पन्न वरु ॥
उवसिष्टेकगर्गन्दद्या ॥ १०० ॥ विंनर्गि ॥ अद्यार्द्धयाः ॥ २० ॥ आदर्भगुली सूच
क ॥ १० ॥ मगल्यनस्य कल्यर्ण ॥ ॥ मरुककनानिकलन् ॥ अलाम्बिता
लकैग ॥ ॥ पंचनल्लमरुवन्त्यस्य ॥ डिक्का मीकदलीरुली ॥ वरुषा

सुकपर्शदोनासिका मीगुगालक ॥ कर्णथाः ॥ लूकि काद्वर्द्ध ॥ क
॥ ॥ वठप्रनाहकाः ॥ तालकैकमलानी ॥ ॥ अर्गस्थानविनिर्दिष्ट
॥ ॥ मृत्तिकागुवसाधागु ॥ हनिगालकगन्धकैः ॥ ॥ शुद्धैरुपानर्द
दद्या ॥ ॥ पूर्नीषयिरुलैगथा ॥ संधिभूतिलपिष्टनु ॥ मीसस्याय
वपिष्टक ॥ मधूस्या ॥ ॥ हिगस्थान ॥ त्वचःस्थानमृगत्वच ॥ सु

नयार्गुणकदया. नाभयौगनयवर्क ॥ कमलीनारिद. (७) स्या. ह
 लाकचमलमिन्न ॥ लिङ्गेचनकमूलं तु. पमिधानेन्द्रकुलकौ ॥ ल
 मूर्धनममयगन्ध. सर्वोवद्वादिसर्वग ॥ दृगैनाल्याप्रदयस्यात् २
 कोपीनचद्रयः स्मृत ॥ भौकि कचूचकदया. कंकनविलपन ॥
 प्रवालावाक्यादद्या. द्युतिम्वदनपकिमु ॥ मनः. गिलीच ह

म २

दय. नाभीषुस्वतसूत्रक ॥ मूर्धनममयगन्धकदयात्. दूर्वालाभिप्रदाप
 यत् ॥ खलसन्धिषुवेदया. लूगीगुल्फदयान्यसत् ॥ यादोद्वावृगतीद
 या. पिचलीपितुधातुम् ॥ उष्णीगैवागसंस्थान. दधिदयात्करुस्थला ॥
 ताम्बूलं तु मुखेदद्या. लूष्यमालीगलाभ्यसत् ॥ प्रमुखणिभिर्वी
 जानि. दृगनात्यञ्जयत्नग ॥ गेजस्यभिप्रदानवा. गमादाहायथः
 विधि ॥ ॥ अथमलागपग्राह्यसंख्याक्रमेणान्यासः ॥ ॥ दद्या

[illegible][illegible]

दशकं १० ॥ ॐ यमाय त्वामवाय त्वामसूर्यस्य त्वामयशः ॥ देवहत्यास
विनामध्वानकपृथिव्या ४ स्पृणस्याहि ॥ अर्द्धिनसि ८ ॥ अचिनसि
गमासि ॥ १० ॥ गृध्रयष्ट ६ ॥ ॐ वेत्वा निष्पृक्ष ॥ ११ ॥ लिङ्गच
त्वा नि ४ ॥ ॐ प्रवेदिन्द्रं वषट्कारं वदन् वा विष्णि द्वासा ३ अर्क्यार्थ
न्यर्क ४ ॥ समसूतास्तीनवद्वा गुणममद्यूर्यपागस्वस्तिहि ४ स
दान ४ ॥ १२ ॥ प्रवेदं शक्नोति निधाया ॥ ॥ गिनहि नानीकलो ॥

ॐ मित्रामित्रीर्या (॥ १३ ॥ कपाले गुम्बीरुर्ले ॥ ॐ गङ्गा सिन्धु ॥
चंद्रविक्रमदीर्घे ॥ १५ ॥ ॐ शनोति यूहि ॥ १५ ॥ सनमस्तु लया
गुंजा द्वयी ॥ ॐ नमो वृक्षे हनि ॥ १६ ॥ ॐ अश्विः प्रवाल द्वयी ॥ ॐ
यवमानः सा अश्विनः पवित्रं विचरिषि ॥ १७ ॥ यः योगा स पूना गु
मा ॥ १८ ॥ दन्तमकिं यदा विचरिषि ॥ ॐ ॥ दन्तं दिनवका न्दन्तं मूलं
मृदम्वस्वे सं गान्दं ॐ द्वाक्या ॐ सनस्त्याः अग्रे डिक् डिक् द्याः

उत्सादमवर्जं नैनगालवाङ् ६ हन्त्रुह्यामपः ७ राख्यनबृ
यक्षमाऽञ्जुह्यामादिह्याँम्भूरिः ८ यन्थानमुह्यान्धावा
धिवीद्योक्त्याविश्रुतकनीनकात्या ९ श्रुक्तायेस्वाहाकुष्ठा
मस्वाहापायाऽलिपद्भा १० अथायाऽरुवावीयाऽलिपद्भा
लिपायाऽरुवे ४॥ १७ ॥ कैः श्रीः ४ भूक्ति का द्वयी ॥ ॐ रद्रुः
~~जिह्वा मांकदलीरुली~~ ॥ ॐ श्रीभवन ॥ १२ ॥

[illegible]

अस्व ॥ २३ ॥ ~~नादि स्त्री भेद गम् ॥~~ ॐ धृ न हृ न पा द्वा न ४ यि व न च
 सी व सा पा वा न ४ ॥ यि व गी न्नि रु स्य ह वि न सि स्वा हा ॥ दि णः प्प्र दि णः
 ज्ज्दि (६) दि दि णः ४ दि (६) दि ग्ग ४ स्वा हा ॥ २४ ॥ ~~आ नु स्का भे व म~~
 ले ना ~~स्का नि~~ ॥ ॐ आ न्ना णि स्का ली म्म धू यि न्ना मा न्ना गू दा ४ पा ग्रा न्ति
 स्र द्धान (ध न्ने ४) ॥ अ न स्य य ग्र ने प्प्री हा ण ची ति ना स न्दी ना म्म नूः
 द न न्ने मा गा ॥ २५ ॥ ~~ना णी म्म न्ने न स्र य म्म~~ ॥ ॐ य य ४ प्प यि र्था ॥ २६ ॥

~~विद्युपात्रदे॥~~ उं ब्रह्म ६ सामः ॥ २७ ॥ लिङ्गान्ननककुली । गुरुने
वा ॥ उं ०० नृगती ५ आगमं ६ सुगंधी हिर्नैलावर्मस्थमा ॥ अस्य पात्रः
स्थिअधिना ॥ २८ ॥ धातुस्माने हनिगालम् ॥ उं ब्रह्माय क्लान्त ॥ २९
~~ध्रातुस्माने दन्तावर्गमीश ॥~~ उं नाहिर्मचिद् ॥ ३० ॥ रनीथपिकु
लम् ॥ उं हं स ४ लुचिष ॥ ३१ ॥ मूर्त्युत्तममूर्त्युत्तम ॥ उं धन्वनागधन्वे
नाडिभूयसमधन्वनागीन्द्रा ४ समदीउथम ॥ धन्व ४ लुआनबकामः

ह (८॥ मिधन्वेनासर्वा ४ पुदि (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥ ~~क (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥~~
~~क (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥~~ ॥ ॐ कयानिष्ठेय ॥ ३३ ॥ ~~उ (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥~~ लोमानि ॥ ॐ तव विष्णुना रि
 यजा नूद्रवर्त्तनी सनस्वगी वयमिध (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥ अस्मि म ऊ
 नम्मा सनेः का नाग न ए दधगा गवान्त्वचि ॥ ~~लोमानि ॥ ३३ ॥~~ ॐ
 लोमानि प्रययि मर्म मत्व द्वा ५ आनति नागमि ॥ ३४ ॥ ॐ स म्मा
 उदननिर्धस्वस्मि म ऊ म ५ आनति ॥ ३४ ॥ ~~अरुयम ॥ ३२ ॥~~

वीर्ज ॥ ॐ वय ८ सोम ॥ ३५ ॥ स ~~लोमानि ॥ ३३ ॥~~ अरुयम ॥ ३२ ॥ ॐ पूननुमादवउ
 नाः पूननुमनसाधियः ॥ पूननुविष्णु रगानि जागवदः पूनी
 हिमा ॥ ३६ ॥ ~~लोमानि ॥ ३३ ॥~~ ॐ मूर्ख ८ सदस्य णि न ५ ॐ
 सनेन डि क्वा यविग्रम विष्णु नां सने स्वगी ॥ वय्युक्त यायुर्विषे
 गस्य बालो द्वे सिन्ने (८॥ अरुयम ॥ ३२ ॥) ॥ ३७ ॥ ~~लोमानि ॥ ३३ ॥~~
~~लोमानि ॥ ३३ ॥~~ ॐ अविर्ने मथान सिद्धी र्था यथा ए स्य यन्था ५

अमृता गृहा श्याम ॥ सनस्वयं वा के ध्या नन्न स्यानि वर्हिर्व
दनेर्ज्ञानः ॥ ३८ ॥ ~~ना हो क म ल भा~~ ॥ ॐ नारिर्म विरुं विरुं
नम्यायूर्मय विनिर्हसत् ॥ अ न नन्दन न्या वा ॥ ॐ मरुग ४ सो
राग्यम्यस ४ ॥ ॐ ध्या त्याम्य द्या न्ध म्मा स्मि वि सि ना जा प्यः
निष्ठित ४ ॥ ३९ ॥ ~~सं धि वृ नि ल वि ह म~~ ॥ ॐ सन्ध य का न के हा या
पय नि मा र्ये प नि वि रू नि र्ज र्ये प नि वि वि दान य ना द्या ॥

दिधि वृ ४ ॥ प नि नि वृ र्ये प ण स्का नी ॐ सी द्वा ना य स्म न का नी
म्य का मा आ या स र्दे व र्भू या न् नू र्ध व ला था प दा म ॥ ४० ॥
~~मौ स य य वि ह म~~ ॥ ॐ मा ॐ सम्मः ३ प न गि व स्व स्थि म ऊ मः
अ न गि ॥ ४१ ॥ ~~ग र्भ र्भ ४ म्मी र ल म~~ ॥ ॐ याः रु लि नीः ॥ ४२
~~वा र्भ ३ र मी~~ ॥ ॐ य नू र्द र्भा वि वृ नू पः ॐ नू र्द र्भ मी हि मा न
मा नै र्ध नी ना ४ ॥ अ क य दी द्वि प दी त्रि प दी च्र गु ष्य दी म ष्टा य

दीकृव नान्नपुथका ॐ स्वाहा ॥ ४३ ॥ ~~धिरुक्तानि धिन्वनी ॥ ॐ~~
 गुनं ६ गुणलाविकृषनुस्मि ॐ गुनं क्लीना ६ अति यं नु च
 हे ॥ गुनासीवाहविद्या गो ६ मानासुपिप्यलाः कर्तुं नास्मै ॥ ४४
~~वातहृत् ६ धी ६ ॥ ॐ वार्तं प्रा ६ नापानं नापानं न जासिक् ६~~
 उमया मम धनं ६ लोखुन सदूरु ६ अथ का ६ नाना न न मनूकाः
 ६ नवाह्यं निर्वेश्म ६ सुनयित्कुनिर्वा ६ धना ६ निमास्ति

[illegible]

साधवयक्त ३॥४॥ ~~मूषेयचनलानि~~ ॥ ॐ पत्रिवाकुयमि ४ कः
 विनग्निहं व्यान्यकुमीदधडलानि दा ७७ धं ॥ ४२ ॥ ~~मूषेयचनलानि~~
~~ली~~ ॥ ॐ नमः ४ यर्लमयच ॥ ४२ ॥ ~~कुंरुमादिरिलेनयै~~ ॥ ॐ गन्ध
 दानां ॥ ४२ ॥ ~~कनेवीनादिपूष्यमाहा~~ ॥ ॐ यशसायनसामिन्दु
 ७७ कालविपुर्लपृथूननसग्रन्थितासुमनसः ७७ आवधमिअ
 ७७ मयि ॥ ५० ॥ ~~स्वगवस्तु~~ ~~मयैदयै~~ ॥ ॐ वसो ४ पविग्रम

१०

सि ॥ ५१ ॥ ~~प्रर्वेष्टमस्य~~ ~~नीनैविधा~~ म ॥ यदुक्कईमेनः
~~पिवासये~~ ॥ ॐ सद्योनिमयाकुक्लिनेविद्युग ४ पूरुषाद
 धि ॥ नैनसुर्दनेगिर्यो ७७ नमः ७७ पत्रिजग्रह ॥ ५२ ॥ य
 द्दुक्कईभायथस्कान्द ॥ कसूनीकायादोला ७७ दोला ७७
 कृक्रमस्यच ॥ चन्दनस्यग्रयाणागः ७७ लिलिनम्ह्वेकचवहि ॥
 यदुक्कईम ७७ य ४ सर्वदवप्रियामन ७७ ॥ ॥ ॥ ॥

नमः प्रनृषस्तु कन्यासः ॥ १ ॥ नमस्तु ॥ ॐ सहस्रशीर्षा ॥ १ ॥
 दक्षस्तु ॥ ॐ प्रनृषस्तु वेदं ॥ २ ॥ नमस्तु ॥ ॐ प्रगवानस्य
 महि ॥ ३ ॥ दक्षस्तु ॥ ॐ त्रिपादूर्ध्व ॥ ४ ॥ नमस्तु ॥ ॐ न
 गोविनातजायत ॥ ५ ॥ दक्षस्तु ॥ ॐ नस्माद्यस्तु सर्वं ह
 न ॥ ६ ॥ नमस्तु ॥ ॐ नस्माद्यस्तु सर्वं ह नः प्रव ॥ ७ ॥ द
 क्षस्तु ॥ ॐ नस्मादस्तु ॥ ८ ॥ नमस्तु ॥ ॐ नमस्तु ॥ ९ ॥

हृदये॥ ॐ यत्पूनुषी॥ २॥ स्कन्धयोः॥ ॐ ब्राह्मस्य॥ १०॥
 वामबाहौ॥ ॐ चन्द्रमामनसो॥ ११॥ दक्षबाहौ॥ ॐ नाश्याः
 आशीदं॥ १२॥ मुखे॥ ॐ यत्पूनुषी॥ १३॥ नेत्रयोः॥ ॐ स
 प्पास्यासन्यनि॥ १४॥ मूर्द्धि॥ ॐ अक्षेन यक्ष॥ १५॥ ॥ गण८
 सकलीकनेम॥ ॐ लिनाम॥ ॐ त्रिकाम॥ ॐ बाहूमी॥ ॐ
 पृथ्वीर्मा॥ ॐ नारिर्मा॥ ॐ अतिरूप॥ ॐ वाचनेषुद्रा॥ ॥

~~पुत्रकलनप्रादुर्भावः~~ ॥ ॐ सी स न गं य म न स म नी षि णः
 उष्मि सु र्ध क व मा व य नि ॥ अ षि ना य ऋ ः स वि ना स न
 स्व गी न्द्र स्य नू र्ण व नू र्ण हि व ङ्गा न ॥ ॐ म न स्तः आ य्या य
 गी ॥ ॐ आ दि त्य ङ्ग र्म य स सा स मं जि सह स्र स्य प्र ति मां वि
 ध नू प म् ॥ य नि वृं जि ह न सा मा रि म तं ह्वा ऽ ण गा यूर्व ङ्ग
 र्हि वी य मा न ऽ ॥ ॥ ~~अ स्म नि दी र्प यो ज यि त्वा न ना र्णः~~

१२

~~धानम~~ ॥ ॐ गं ङ्ग ऽ ष ण ना ऽं ह वि नि नि द्रि या व त्य नि द्र गा प य
 सा सा न य म्म धू ॥ अ षि ह्या न्द्र र्ध मि ष ज्ञा स न स्व त्या ॥ स गा
 स गा ह्या म म्म ग ऽ सो म ऽ ऽं न्द्र ॥ ॐ हं ऽ स ऽ लु चि व ॥ ॐ म
 नो र्ग निः ॥ ॥ ~~नमः ग र्ण धा न र्ण~~ ॥ ॐ य स्ये ग य द्दि आ ग र्ण य स्ये
 यो हि न ऽ य यी ॥ अ ङ्ग न्द्र ता य स्य न्द्र स्मा ग्रा स म ङ्गी ग म ऽं
 स्वा हा ॥ ॥ ~~सी म नान य नं~~ ॥ ॐ मा हि र्म र्मा ॥ २ ॥ ~~आ ग व र्मा~~ ॥

निः

ॐ यस्मात्ता नन्त पूना किञ्चने वयः श्रवत् वरवना निविः
 ॥ प्रजापतिः ४ युज्यासु ६ न नासु १ लिङ्गाती ॐ प्रिसव
 न सधा उगी ॥ ३ ॥ ~~सूर्यदर्शन~~ ॥ ॐ तच्च कूर्द्व ॥ ४ ॥ ~~रुनः~~
 प्राणनै ॥ ॐ याः रुलिनी ॥ ५ ॥ ~~अन्नप्राणनै~~ ॥ ॐ अन्नपग ॥ ६
 क्षोने ॥ ॐ गिवो नामासि ॥ ७ ॥ ~~कल्पारिद~~ ॥ ॐ तद्रुं कल्पसिः
 ॥ ८ ॥ ~~प्रगवधनै~~ ॥ ॐ ब्रह्मयक्ष्मनै ॥ ९ ॥ प्रपूकोपीनै ॥ ॐ य

१३

नन्द्राय ॥ १० ॥ ~~यक्ष्मपवीनै~~ ॥ ॐ यक्ष्मपवीनै ॥ ११ ॥ ~~समावर्त~~
 नै ॥ ॐ आयक्षोः पृष्णि ॥ १२ ॥ ~~विवाह~~ ॥ ॐ ध्रुवासिध्रुवायै ॥ १३
~~चतुर्थि~~ ॥ ॐ प्रजापतिश्च नगि ॥ १४ ॥ ~~जीवावाहनै~~ ॥ ॐ आप्या
 यस्वसमगुः आनयः सम्प्राडेका विनाजगिः ॐ एनै प ७ ॥
 तदाष्टमहादानानि कुर्यात् ॥ यथा ॥ ॥ ततो विष्णवे सहि
 तं अन्नानीकं लोहं लोहं सह अर्घ्यं गन्धं च नदद्यात् ॥ ॐ नमो

ॐ यथायदवायः कथसुखत्रगायवः॥ कथकामप्रदायमिः कथ
 स्तु२ विष्णुनमोऽर्चः॥ ॥ नमो विदुषा गतं अगमं गच्छति रावधेः॥
 ॐ ह्रीं मङ्गुली वलयः पतिधिन्दुधामिर्मैषान् नृगमदपनाः ५०
 धर्ममन्त्रः॥ नमो ह्रीं वनकुलानन्दः ४५ नृवीनन्मृदुन्दुधगा
 म्यर्चनम्॥ ॥ नमो स्मिन् नृगनीनदीपमन्दीरुगनागोत्पति
 विराज्यः॥ वेद्यायनाजीदर्शननादिकैकानयित्वा असाध्य

१४

प्रागमिनि वेद्यमस्वास्तुत्वा॥ आगुनावस्वायं गमनीनब्राह्म
 ण्यः ० नृ॥ दक्षिणमिनि नोऽगममया पलिफायां रुमो निधमः॥ क
 ॥ ४५ लोणी प्रयं॥ ललोऽऽमाधिवन्दनं गममृदुकादीनिदत्वा वि
 शुद्धमनः॥ प्रायश्चित्तधनः॥ नृधनः॥ मादधनः॥ वेदुनलि
 ॥ ५० नृधनः॥ अनादिं नदीजलनिधमयः॥ दीपनिवृ
 त्तो प्रायमादलम्॥ ॐ पनमृत्वा ५० नृपनहिपन्थम्यर्कः

अन्त्याः ॥ गंगा दवा नाना ॥ चक्र अर्धे ॥ २४ ॥ गंगा विमान ॥
 प्रजा ॥ ० नी निषा म्मा न्नी नाना ॥ ॥ ११ ॥ गंगा विमानादि पूर्व ॥
 स्वर्ग ॥ ११ ॥ विधिना ॥ ॥ १२ ॥ विधिना ॥ ॥ १३ ॥ विधिना ॥
 गन्धम विना ॥ १४ ॥ विधिना ॥ ॥ १५ ॥ विधिना ॥ ॥ १६ ॥ विधिना ॥
 विधीयते ॥ १७ ॥ विधिना ॥ ॥ १८ ॥ विधिना ॥ ॥ १९ ॥ विधिना ॥
 एतद्वदि ॥ १२० ॥ विधिना ॥ ॥ १२१ ॥ विधिना ॥ ॥ १२२ ॥ विधिना ॥